3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. सारे मेडिकल कॉलेज तोड़ दिए जाने की बात किस संदर्भ में की गई?

उ. बीमार होने पर लेखक के घर अनेक शुभचिंतक आने लगे थे। सभी अपनी-अपनी राय व्यक्त कर रहे थे। किसी ने कहा कि इन्हें हींग पिला दीजिए, किसी ने कहा कि इन्हें चूना पिला दीजिए। इस तरह से सबने कुछ न कुछ उपाय अपनाने के लिए कहा था। लेखक लोगों के इन नुस्खों से हैरान था। उसने सोचा कि यदि भारत सरकार को यह मालूम हो जाए कि देश में इतने डाक्टर हैं तो निश्चय ही सारे मेडिकल कॉलेज तोड़ दिए जाएँ।

ख. लेखक के पेट में दर्द होने का क्या कारण था?

उ. एक दिन लेखक हॉकी खेलकर आया था। उसे भूख नहीं थी फिर भी उसने बारह पूरियाँ, आधा पाव मलाई और छः रसगुल्ले खाए थे। इतना खाकर लेखक टहलने नहीं गया, वहीं चारपाई पर लेट गया था। उसे अपच होने के कारण पेट में दर्द हो गया था।

ग. हकीम साहब के बारे में लेखक ने क्या बताया?

उ. हकीम साहब चिकन का बंददार अंगरखा पहने हुए थे। सिर पर बनारसी लोटे की तरह टोपी रखी हुई थी। जूता कामदार दिल्ली वाला था, मोजा नहीं था। रूमाल इतना बड़ा था कि अगर उसमें कसीदा न कढ़ा होता तो लेखक समझता कि यह रूमाल मुँह या हाथ पोंछने के लिए नहीं, तरकारी बाँधने के लिए है। हकीम साहब की दाढ़ी के बाल ठुड्डी की नोंक पर ही इकट्ठे हो गए थे और हजामत बनाने का ब्रश प्रतीत होते थे। हकीम साहब बहुत दुबले-पतले थे।

घ. डेंटिस्ट ने पेट-दर्द का क्या इलाज बताया?

उ. डेंटिस्ट ने लेखक को बताया कि तुम्हारे दाँतों में 'पाइरिया' है। उसी का ज़हर पेट में जा रहा है जिसके कारण दर्द हो रहा है। लेखक के द्वारा दर्द का निवारण पूछने पर डेंटिस्ट ने बताया कि तुम्हें अपने सभी दाँत उखड़वाने पड़ेंगे।

ङ: चिकित्सा का चक्कर पाठ के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

उ. लेखक को साधारण-सी बीमारी थी कि उसने अधिक खाना खा लिया था जिसके परिणामस्वरूप अपच हो गया था। अपच के कारण ही लेखक दर्द से बेचैन था। समय के अनुसार और बीमारी की गंभीरता को देखते हुए शहर के अनेक डॉक्टर, वैद्य, हकीम आदि अपने-अपने अनुभव के अनुसार उपचार करते रहे। इस तरह से लेखक पूरे पाठ में अनेक चिकित्सकों के चक्कर लगाता रहा। अंत में लेखक की पत्नी ने ही सही सलाह दी। अत: यह शीर्षक पूर्णरूप से सार्थक है। कोई अन्य शीर्षक हो सकता है— दर्द एक चिकित्सक अनेक, दर्द का मारा लेखक बेचारा, मेरा दर्द न बाँचे कोय आदि।

आशय स्पष्ट कीजिए—

क. डॉक्टर की फ़ीस रात में बढ़ जाती है।

उ. इस अंश का आशय यह है कि डॉक्टर जब मरीज को रात में देखने जाता है, तो उसका शुल्क अधिक होता। वह मरीज की सेवा न करके उससे अच्छा खासा शुल्क वसूलता है। मरीज उसके लिए ग्राहक है जिससे उसे मुनाफ़ा कमाना है।

ख. दर्द ऐसे गायब हो जाएगा जैसे हिंदुस्तान से सोना गायब हो रहा है।

उ. लेखक ने यहाँ ब्रिटिश शासन के दौरान की गई लूट का संकेत किया है। हमारा देश कभी 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था लेकिन अंग्रेज़ बड़ी मात्रा में यहाँ से सोना लूटकर ले गए थे । इसी बात के आधार पर चिकित्सक कहता है कि लेखक का दर्द भी इसी तरह जल्दी ही ठीक/गायब हो जाएगा।

4. वे शब्द जो संस्कृत भाषा से हिंदी में आए हैं और ज्यों के त्यों प्रयोग होते हैं, तत्सम श कहलाते हैं।

जैसे– कर्म, उच्च आदि।

जो शब्द संस्कृत के तत्सम शब्दों के बदले हुए रूप हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं।

जैसे– काम, ऊँचा आदि।

तत्सम-तद्भव शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए।

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
1. मस्तक	आँसू (4)
2. पत्र	पिता (6)
3. अक्षि	माथा (1)
4. अश्रु	आँख (3)
5. स्वर्ण	भाई (7)
6. पितृ	सोना (5)
7. भातृ	पत्ता (2)

5. विलोम शब्द लिखिए।

प्रेम	×	घृणा	नाराज	×	खुश
भय	×	निर्भय	शांत	×	अशांत
अपराध	×	निरपराध	स्वीकार	×	अस्वीकार
पाप	×	पुण्य	स्पष्ट	×	अस्पष्ट

मूल्याधारित प्रश्न

(Values & Life Ski

1. गांधी जी की आत्मकथा का यह अंश पढ़कर आपको कैसा लगा?
2. आपसे कोई गलती होने पर आप क्या करते हैं?